Date
4/05/2020

Subject - Gender, School and Society
Topic - Gender Inequality in School

B.Ed
2nd year

विद्यालय में लैंगिक असमानता

भारतीय संविधान में लिंग आधारित संवेदनशील समाज निर्माण की अनुशंसा को रेखांकित किया गया लेकिन लिंग आधारित शिक्षा प्रणाली के अभाव में यह सम्भव नहीं हो पाया। अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शैक्षिक क्षेत्र में भी लैंगिक असमानता फैली हुई है जो विद्यालयों में औपचारिक एवं अनौपचारिक दोनों रूपों से परिलक्षित होती है। लड़कियों, लड़कों की अपेक्षा कम सुविधाएँ, अल्प अपेक्षाएँ एवं विषयों से आधारित सर्कीलता, विद्यालयों में लैंगिक भिन्नता विभिन्न आधारों पर परिलक्षित होती है, जिसका वर्णन हम अग्रलिखित रूप में कर सकते हैं।

1. सन 1871 में इंग्लैंड में लड़कियों के लिए पहला मा० विद्यालय खोला गया जो लड़कों के मा० विद्यालय के 15 वर्ष बाद खोला गया।

2. बालिकाओं के लिए अधिगम विषयों को प्रतिबन्धित कर दिया गया। जैसे - बालिकाओं के लिए गृहविज्ञान की शिक्षा अनिवार्य।

3. 19 वीं सदी में बालिकाओं को शोषित करना अभिभावकों के द्वारा समय एवं धन का अपव्यय माना जाता है, व इस कारण बालिकाओं की उपस्थिति बालकों से सर्वथा कम ही रहती है।

4. कठिन एवं बहुमूल्य विषयों का चयन सामान्यतः लड़कों के लिए एवं कला व गृहविज्ञान जैसे विषय लड़कियों के लिए चुने गए।

Scanned with CamScanner

5.) लैंगिक भेदभाव के कारण गणित एवं विज्ञान जैसे विषयो मे प्रशिक्षित महिला अध्यापिकाओं की भी कमी है।

6.) जैसे-जैसे महिला अध्यापिकाओं की संख्या मे वृद्धि हुई वैसे ही लडकियो की शिक्षा का समर्थन एवं बालिका शिक्षा के बेहतर परिणाम उदित हुए।

उपर्युक्त कारकों के आधार पर विद्यालयो मे आज भी लैंगिक असमानताएं पायी जाती है।

लैंगिक संवेदनशीलता को बढाने के लिए किए जाने वाले प्रयास:-

1.) विद्यालयों मे प्रबन्धकीय स्तर पर नीतियाँ बनाते हुए लैंगिक समानता मे वृद्धि करने से सम्बन्धित नीतियाँ बनाई जाए।

2.) शिक्षको को कक्षा मे लैंगिक-तटस्थ की भूमिका निभानी चाहिए। लडके-लडकियो दोनो की समान भागीदारी सभी कार्यों मे सुनिश्चित करनी चाहिए। सर्वनाम के प्रयोग मे सावधानी बरतनी चाहिए। He or She का प्रयोग बिना रूढिवादिता के करना चाहिए।

3.) छात्रो को अपने विपरीत लिंग वाले छात्रो के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। लैंगिक समानता की ओर अग्रसारित करने के लिए छात्रो के लिए विद्यालय मे कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।-

Continue

Nidhi Tyagi
4/05/2020

Scanned with CamScanner